No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

08781

दिसम्बर, 2018

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) विफल जीवन व्यर्थ बहा, बहा,
सरस दो पद भी न हुए हहा !
कठिन है कविते, तुम भूमि ही,
पर यहाँ श्रम भी सुख-सा रहा ।

(ख) विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली ।

(ग) कालिदास, सच-सच बतलाना
पर पीड़ा से पूर-पूर हो
थक-थक कर औ चूर-चूर हो
अमल-धवल गिरि के शिखरों पर
प्रियवर, तुम कब तक सोये थे ?

(घ) हँसो पर चुटकुलों से बचो
उनमें शब्द हैं
कहीं उनमें अर्थ न हों जो किसी ने सौ
साल पहले दिए हों ।

(ङ) यह समिधा : ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा !
यह अद्वितीय : यह मेरा : यह मैं स्वयं विसर्जित :
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति
को दे दो ।

2. "निराला के काव्य में प्रयोगशीलता के कई रूप दिखाई देते हैं" – इस कथन को सोदाहरण पुष्ट कीजिए । *16*

3. सुमित्रानंदन पंत के काव्य की विशेषताएँ बताइए । *16*

4. 'उर्वशी' में दर्शन और काव्य के परस्पर सम्बन्ध का विवेचन कीजिए । *16*

5. रघुवीर सहाय की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए । *16*

6. 'अंधेरे में' कविता का महत्त्व स्पष्ट कीजिए । *16*

7. 'असाध्य वीणा' कविता के प्रतिपाद्य को रेखांकित कीजिए । *16*

8. श्रीकांत वर्मा के काव्य में अभिव्यक्त मोहभंग का विवेचन कीजिए । *16*

9. राष्ट्रीय नवजागरण की अभिव्यक्ति मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में किस रूप में हुई है ? स्पष्ट कीजिए । *16*